दिनांक 20.09.2020 स्वच्छ एवं सुंदर भिलाई

जल स्रोत को स्वच्छ रखने तालाबों की सफाई पर फोकस

भिलाई नगर/ कोविड- 19 की महामारी में भी निगम के कर्मचारी स्वच्छता सर्वेक्षण के मापदंड पर खरा उतरने पूरा जोर लगा दिया है। अस्पताल , सार्वजनिक भवन , सामुदायिक भवन और बाजारों का सेनिटाईजेशन करने के साथ ही शहर के सड़क , नाली और तालाबों की सफाई व्यवस्था में जुटी हुई है। निगम के स्वच्छता विभाग के प्रभारी अधिकारी धर्मेन्द्र मिश्रा का कहना है कि स्वच्छता सर्वेक्षण - 2021 के मापदंड में कुछ बदलाव किया गया है। स्वच्छता सर्वेक्षण के मापदंड में वाटर प्लस सर्टिफिकेट सहित कुछ कंडिका जोड़ा गया है। निगम मापदंड के अनुसार ही शतप्रतिशत घरों से नियमित कचरा संग्रहण , सड़क, नाली की सफाई के साथ जल स्रोत जैसे तालाबों की सफाई को रूटीन कार्य में शामिल किया है। 10-12 दिन के अंतराल में शहर के छोटे बड़े तालाबों की सफाई की जा रही है। इसके अलावा सार्वजनिक शौचालयों का मेंटनेंस किया जा रहा है। चौक-चौराहे के साथ प्रमुख सड़कों की प्राथमिकता से सफाई की जा रही है। निगम क्षेत्र में छोटे-बड़े 24 तालाब है। जहां लोग निस्तारी करते हैं। इसलिए निगम ने इन तालाबों को स्वच्छ रखने की दिशा में काम कर रही है। तालाबों के मुहाने पर जाली लगाई गई है। जन सहयोग से भी तालाबों को स्वच्छ रखने की मुहिम चलाई जा रही है। इसके अलावा निगम ने नालों के पानी को रीयूज करने के लिए खुर्सीपार तेलहा नाला में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाने का निर्णय लिया है। प्लांट लगाने का कार्य भी शुरू हो गया है।